मास्टर ऑफ़ फ़लॉसफ़ी /विद्यावाचस्पति(हिन्दी) प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

वर्ष 2017

विभाग – 1 (50%)

➢ अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

- अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य
- अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियाँ
- अनुसंधान के प्रकार – साहित्यिक अनुसंधान
  - – तुलनात्मक अनुसंधान
  - – क्षेत्रीय अनुसंधान
  - – मनोवैज्ञानिक अनुसंधान
  - – ऐतिहासिक अनुसंधान
  - – शैली–वैज्ञानिक अनुसंधान
  - – भाषा–वैज्ञानिक अनुसंधान
  - – प्रयोगात्मक अनुसंधान
  - – समाजशास्त्रीय अनुसंधान
  - – क्रियात्मक अनुसंधान
- अनुसंधान के सोपान
- अनुसंधान की प्रक्रिया

- अनुसंधान, शोध और आलोचना
- हिन्दी अनुसंधान में सम्बन्ध–विषयों की भूमिका
- पाठालोचन के मुख्यसिद्धांत
- हिन्दी शोध–प्रबंध का प्रारूप

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के अधिनियमानुसार)

समालोचना

<u>साहित्यिक समालोचना</u>

- साहित्यः अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- साहित्य का महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार
- समालोचना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- समालोचना के प्रकार – साहित्यिक समालोचना
  - – साक्षात्कार समालोचना
  - – अवलोकनीय समालोचना
  - – निर्णयात्मक समालोचना
  - – सर्वेक्षणात्मक समालोचना
  - – प्रश्नावली/मतावली सर्वेक्षण समालोचना
- साहित्यिक समालोचना – गद्य–कृतियों की समालोचना
  - – पद्य–कृतियों की समालोचना
  - – गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना

- गद्य कृतियों की समालोचना – नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध,रेखाचित्र, संस्मरण की समालोचना (उदाहरणार्थ एक विधा की समालोचना निर्दिष्ट है ।)
- पद्य कृतियों की समालोचना – महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, वीरकाव्य, स्फूटकाव्य आदि की समालोचना
- गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना : चम्पू काव्य की समालोचना

<u>**पुस्तक समालोचना** (Book-Review)</u>

- प्रस्तावना(कृतिकार की प्रतिष्ठा, रचना काल, वैचारिकताआदि का संक्षिप्त ब्यौरा)
- कृतिकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- कृति की संक्षिप्त कथावस्तु
- कृति का रचना समय
- कृतिकार पर अन्य साहित्य–सर्जक एवं विचारकों का प्रभाव
- कृति में कृतिकार की वैचारिकता
- रचना की समकालीनता
- कृतिद्वाराकृतिकार का भाव–बोध
- कथा, पात्र, संवाद, वातावरण द्वारा समाज का संदेश
- कृति का निष्कर्ष–निष्पादन
- समापन

➢ शोध–प्रबंध का स्वरूप

<u>**शोध–प्रबंध प्रविधि**</u>

- शोध–प्रबंध का मुखपृष्ठ–स्वरूप एवं टंकण
- शोध–प्रबंध की प्रामाणिकता–प्रमाणपत्र
  - प्रारंभिक विद्‌यावाचस्पति मौखिकी प्रमाणपत्र
  - निर्देशक का घोषणापत्र
  - शोधार्थी का घोषणापत्र
  - निर्देशक एवं शोधार्थी का शोध–सत्यापन प्रमाणपत्र
- शोध–प्रबंध की प्रस्तावना
  - विषयचयन
  - विषयचयन की प्रेरणा
  - शोध–विषय का महत्त्व

– शोध–विषय की विशेषता

  – शोध–विषय की प्रासंगिकता
  – शोध–विषय की परिसीमा
  – पूर्ववर्ती शोध–कार्य
  – परवर्ती शोध–कार्य
  – सामग्री–संकलन
  – शोध–प्रबंध का अध्यायविभाजन
  – कृतज्ञताज्ञापन
  – अनुक्रमणिका
  – पृष्ठ–क्रमांक
  – पृष्ठ–सज्जा

- शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण
- संदर्भ सूची
- संदर्भ ग्रंथ सूची :
  - आधार–ग्रंथ
  - सहायक ग्रंथ
  - पत्र–पत्रिकाएँ
  - शब्दकोश
  - वेबसाईट
  - साक्षात्कार
  - चित्र–सज्जा–तस्वीर इत्यादि

➢ Computer Application

- A Brief History of Computers
- Invention, Evaluation & Types
- Computer system components and their functions
- The role of a computer service professional
- Basics of Electronics
- Operating System
- Basic Network Concepts
- Implementing and Maintaining Network
- Protocol Suites

PART – II (50%) (UGC NET Paper II Syllabus)

इकाई – १ : हिन्दी भाषा और उसका विकास

- अपभ्रंश (अवहट्ठ सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ– वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उनका मानकीकरण ।
- हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी ।
- हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध रूप–बोली, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी ।

इकाई – २ : हिन्दी साहित्य का इतिहास

- हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ ।
- हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र–पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण ।
- आदिकाल : हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब और कैसे ? रासो–साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य ।
- मध्यकाल : भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त:प्रादेशिक वैशिष्ट्य ।
- हिन्दी सन्त काव्य : सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान ।
- हिन्दी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य–मुल्ला दाऊद (चन्दायन), कुतुबन (मिरगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ।

- हिन्दी कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण–भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य – मीरा और रसखान ।
- हिन्दी राम काव्य : विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्व ।
- रीति काल : सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द और पद्माकार, रीतिकाव्य में लोकजीवन ।
- आधुनिक काल : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास ।
- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, १८५७ की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, १९वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता ।
- द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि ।
- छायावाद और उसके बाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता ।

इकाई – ३ : हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

- हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द और परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी ।
- हिन्दी कहानी : बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन ।
- हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियाँ : अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे–अधूरे, आठवाँ सर्ग, हिन्दी एकांकी ।
- हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार – रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई ।
- हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक : रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवरसिंह, विजयदेव नारायण साही ।

- हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा–साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज ।

इकाई – ४ : काव्यशास्त्र और आलोचना :

- भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार ।
- रस के अवयव ।
- साधारणीकरण ।
- शब्द शक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप ।
- अलंकार –यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, उदाहरण, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास ।
- रीति, गुण, दोष ।
- मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब ।
- स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता ।
- समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ : विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डीकन्स्ट्रक्शन) ।